



अक्कू हुई गुस्सा

Author: Vinayak Varma

Illustrator: Vinayak Varma

Translator: Madhubala Joshi

पठन स्तर २



स्कूल की घंटी बजी। छुट्टी की घंटी। सारे बच्चे खुशी से शोर मचाने लगे।

बस अक्कू को छोड़ कर। **वो बहुत गुस्से में थी।**



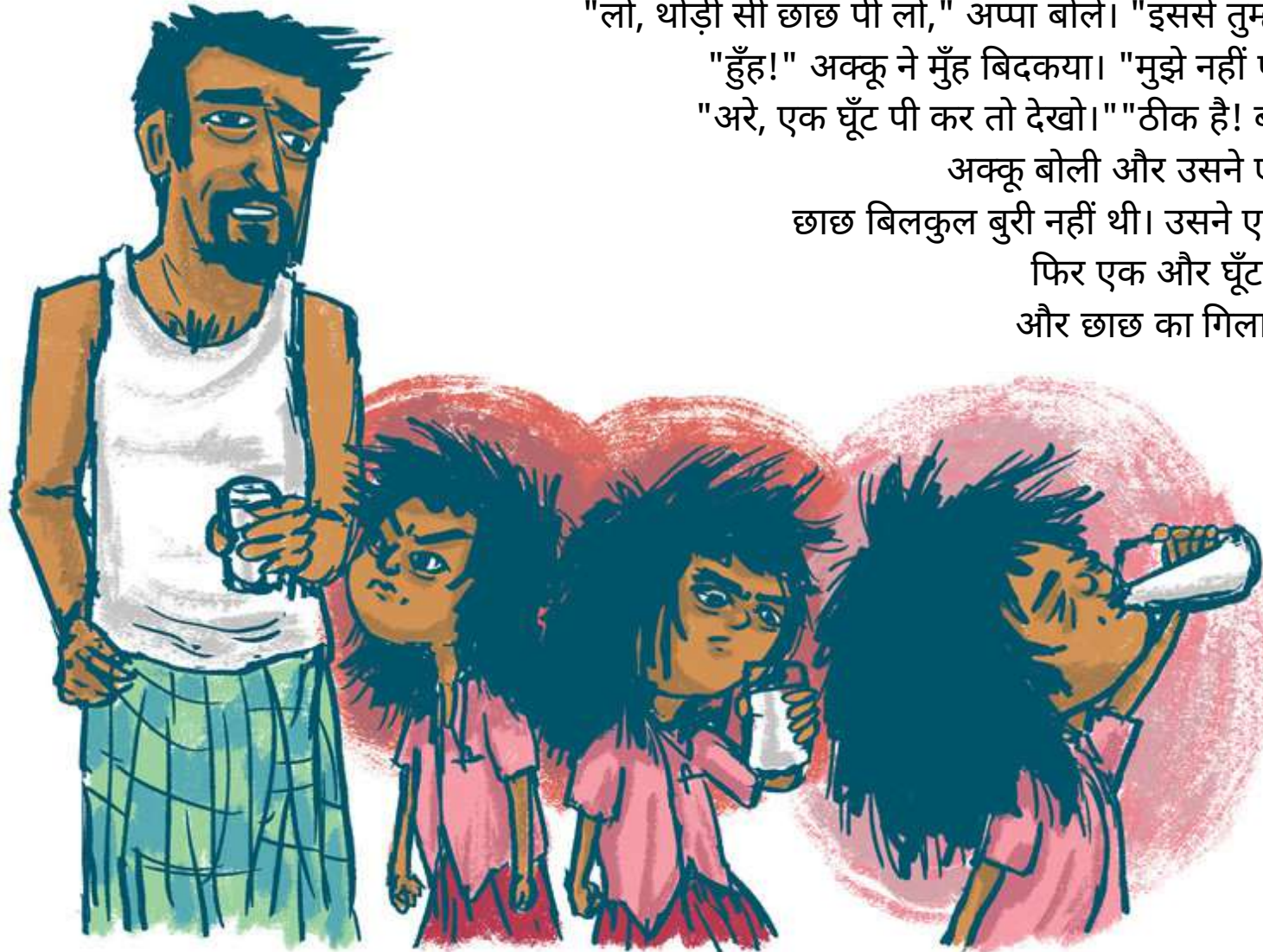
जब सूरजमुखी के खेतों में से उनकी साइकिल गुज़री तो अप्पा ने कहा, "अक्कू! अक्कू! देखो कितने सुंदर सूरजमुखी के फूल हैं!"

"उँह! ये बहुत ही पीले हैं! इनसे मेरी आँखें चौंधिया रही हैं।" अक्कू बड़बड़ाई।

"अक्कू! देखो! देखो! ज़रा बंदरों को तो देखो!"
अप्पा ने उनके घर की छत की तरफ इशारा करते हुए कहा।
"छी:, बदमाश बंदर!" अक्कू भुनभुनाई। "हुर्र! भाग जाओ यहाँ से! भागो, हुर्र!"







"लो, थोड़ी सी छाछ पी लो," अप्पा बोले। "इससे तुम्हें ठंडक मिलेगी।"
"हुँह!" अक्कू ने मुँह बिदकया। "मुझे नहीं पीनी छाछ-वाछ!"
"अरे, एक घूँट पी कर तो देखो।""ठीक है! बस एक ही घूँट!"
अक्कू बोली और उसने एक घूँट छाछ पी।
छाछ बिलकुल बुरी नहीं थी। उसने एक घूँट और पीया।
फिर एक और घूँट! फिर एक और...
और छाछ का गिलास खाली हो गया।



"वड़ा खाओगी?" अप्पा ने पूछा।

"ओप्फो!" अक्कू खीझी।

"बस, थोड़ा सा।"

"अच्छा, ठीक है!" अक्कू ने कहा, और ज़रा सा वड़ा खा लिया। "अरे! यह तो बहुत अच्छा है!"

उसने थोड़ा और खाया।
एक नन्हा सा गस्सा और...
और बस प्लेट खाली हो गई।



"शाबाश! अच्छी बच्ची!" अप्पा ने खुश हो कर कहा। "अब मुझे बताओ कि तुम इतनी गुस्सा क्यों हो?"

"नहीं, कुछ नहीं।" अक्कू ने कहा।

"मेरी वजह से नाराज़ हो?"

"नहीं!"

"अम्मा की वजह से?"

"नहीं!"

"क्या आज स्कूल में कुछ बुरा हुआ?"

"पता नहीं, शायद!"

"ओहो!"



"तुम्हारे साथ जो हुआ क्या तुम उसके चित्र बनाना चाहोगी?" अप्पा ने पूछा। "ये रहे कुछ बढ़िया कागज़ और रंग।"

"ठीक है," अक्कू ने कहा।

अक्कू ने एक ईंट बनाई...

"यह है वह बेकार सी ईंट। मैं सुबह इसी से टकरा गई थी," अक्कू ने कहा।

"इस बेकार सी ईंट से सुबह मुझे ठोकर लगी थी," अक्कू ने कहा।

"ठीक कहा तुमने, यह तो बहुत ही बेकार ईंट है!" अप्पा बोले।





फिर अक्कू ने एक लड़के का चित्र बनाया।

"यह बिककू है... बहुत बुरा लड़का है! जब मैं गिरी तब यह मुझ पर हँसा था!" अक्कू ने कहा।

"अरे, बहुत बुरा लड़का है," अप्पा बोले। "कोई गिर जाए तो उन पर हँसना नहीं चाहिए। बुरी बात है।"



फिर अक्कू ने एक इडली की तस्वीर बनाई।

"यह मेरी इडली है," अक्कू ने बताया। "जब मैं उस बेकार सी ईट से ठोकर खाकर गिरी तो यह मेरे लंच बॉक्स से गिर गई!"



फिर अक्कू ने एक कौआ बनाया।

"यह बड़ा बदमाश कौआ है! मेरी इडली ले कर उड़ गया। "

"बेचारा बहुत भूखा रहा होगा," अप्पा बोले।



और अक्कू ने अपनी टीचर की तस्वीर बनाई।

"यह मेरी टीचर हैं, अमला मिस," अक्कू ने कहा। "जब मैं गिरी, तो उन्होंने उठने में मेरी मदद की थी। और फिर उन्होंने मुझे गले लगाया।"

"यह तो उन्होंने बहुत अच्छा किया," अप्पा बोले।

"फिर उन्होंने मेरे गाल पर चुटकी काटी। मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता कि कोई मेरे गाल पर चुटकी काटे।"

"ओहो! गाल पर चुटकी काटने से तुम्हें तकलीफ़ हुई होगी न?"

"थोड़ी सी। लेकिन अब ठीक हूँ।"

"चलो, अच्छा है।"



"देखो तो सही, तुमने कितना बढ़िया चित्र बनाया है!" अप्पा ने कहा।

"तुम वास्तव में कलाकार हो! क्या तुम अम्मा के लिए भी कुछ अच्छा सा बनाओगी?"

"ठीक है," अक्कू बोली, और उसने एक चित्र बनाया। "यह एक छोटा सा सफ़ेद चूहा है।" एक और चित्र बनाया। "यह एक नाव है।"



उस ने एक के बाद एक, बहुत सारे चित्र बनाए। "यह नारियल का पेड़ है..."
"... और यह सूरजमुखी का फूल..."
"...और, यह आपकी साइकिल है, अप्पा।" "...और यह एक कुत्ता है।"
"...और यह रहा मेंढक।"

थोड़ी ही देर में अक्कू उस बेकार सी ईंट को भूल गई जिससे टकरा कर वह गिरी थी। और उस बदमाश लड़के को भी जो उस पर हँसा था। और इडली चुराने वाले उस बदतमीज़ कौए को भी।

और तो और, अक्कू यह भी भूल गई कि वह गुस्सा थी।



अगर आप अक्कू की तरह गुस्सा हों तो यह 10 काम करें:

1. ज़ोर-ज़ोर से हँसें और हवा में अपनी बाहें फैला कर उछलें-कूदें।
2. धीरे-धीरे, बहुत धीरे-धीरे अंदर साँस खींचें, और साँस बाहर छोड़ें।
3. थोडा पानी या छाछ पिँ।
4. फल का एक टुकड़ा खाँ या फिर ज़रा सा गुड़।
5. किसी बड़े व्यक्ति को बताँ कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं।
6. कागज़ पर लिखें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं।
7. इसकी ड्रॉइंग बनाँ। इसमें रंग भरें!
8. मिट्टी के ढेर से खेलें।
9. अपने गुस्से के बारे में एक गीत बनाँ। फिर उसे ऊँची आवाज़ में गाँ!
10. बंदर की तरह नाचें!

Story Attribution:

This story: अक्कु हुई गुस्सा is translated by [Madhubala Joshi](#) . The © for this translation lies with Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[Angry Akku](#)', by [Vinayak Varma](#) . © Pratham Books , 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book was first published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by Oracle.

Images Attributions:

Cover page: [An angry girl's eyes](#) by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [An angry girl in the midst of other children playing](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [A man and a girl riding on a cycle](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Macagues on the roof](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [A girl and her father watching monkeys on a roof](#) by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [A girl drinking a glass of milk, her father watching](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [A father combing his daughter's hair and offering her a plate of vadas](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Father and daughter](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Giving crayons to a girl](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [A girl's drawing of a red brick](#) , by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



The development of this book has been supported by Oracle.

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

Images Attributions:

Page 11: [A drawing of a boy](#) by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [A drawing of an idli by a child](#), by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [A child's drawing of a bird](#) by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [A child's drawing of her teacher](#), by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [A smiling man](#), by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: [A girl lying on the floor and drawing with crayons](#), by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: [A girl laughing](#), by [Vinayak Varma](#) © Pratham Books, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



The development of this book has been supported by Oracle.

अक्कू हुई गुस्सा

(Hindi)

आज अक्कू का दिन बहुत बुरा बीता। और उसे बहुत, बहुत, बहुत गुस्सा आ रहा है। यह किताब पढ़ें और जानें कि अक्कू का गुस्सा कैसे ठंडा हुआ और जब आप को बहुत, बहुत गुस्सा आए तब क्या करें।

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at <https://www.freekidsbooks.org>
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?



<https://www.freekidsbooks.org>

Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: <https://www.freekidsbooks.org/about>

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.

This page is added for identification.